

येन (पाणिना) मां रजसा धस्तमभीक्ष्णं परिमार्जति R. 2, 72, 31 (74, 32 GORR.).
 चतुषो परिमार्जती so v. a. sich die Thränen aus den Augen wischend
 MBH. 3, 584. R. 5, 36, 40. परिमृज्य द्विरास्यात् खानि मूर्धानमेव च MĀRK. P.
 34, 67. भुक्त्वा चात्रं तथैव त्रिद्विः पुनः परिमार्जयेत् sich den Mund rein-
 wischen MBH. 13, 5010. पीलापः परिमृज्य च R. 2, 91, 11 (100, 10 GORR.).
 52. परिमृष्टपरिच्छेदा geputzt, gereinigt BHĀG. P. 7, 11, 26. गोमयाम्बः परि-
 मृजितनिर्जारा PRAB. 24, 4. शरान् — कर्मारपरिमार्जितान् aufgeputzt, ge-
 glättet MBH. 6, 5186. 5259. 7, 880. दर्पणान्परिमृष्टान् R. 2, 91, 69 (100, 70
 GORR.). VARĀH. BRH. S. 4, 30. नन्वेव सत्तं परिमार्ष्टुमर्हति reinigen, läutern
 BHĀG. P. 1, 10, 23. कृपणानाथवृद्धानां यदाशु परिमार्जति abwischen, weg-
 wischen MBH. 12, 3440. R. GORR. 2, 84, 24. कुरिणापि कुरेणापि ब्रह्मणा
 त्रिदशैरपि । ललाटलिखिता रेखा न शक्या परिमार्जितुम् sogar Vishṇu,
 sogar Çiva u. s. w. vermögen nicht die auf die Stirn geschriebene
 Schrift abzuwischen (so ist zu übersetzen) Spr. 5392. निन्दो च परिमा-
 र्जता (मया) abwaschen so v. a. abstreifen, entfernen R. 6, 100, 15. वा-
 च्यं त्यागेन पत्न्याः परिमार्ष्टुमर्हत् RAGH. 14, 35. कथमेकपदे सर्वमौचित्यं
 परिमार्जितुं RĀGA-TAR. 3, 313. तद्वलोकपरिमृष्टाशयमलाः BHĀG. P. 6, 16,
 45. streichen, über Etwas hinfahren (vgl. मर्जः) उपविष्टस्य पृष्ठं ते पा-
 णिना परिमार्जतु MBH. 3, 4228. ततो ऽस्य पाणिना — जलशोतेन — उरो
 मुखं च शनैः पर्यमार्जत 13, 127. जिह्वामुद्धर सर्वेषां परिमृज्यानुमृज्य च strei-
 cheln 12, 3042. In der Stelle कः पतिदेवतामन्यः परिमार्ष्टुमुत्सहेत Gewalt
 anthun ÇĀK. 83, 7 ist mit einer Hdschr. (s. bei MONIER WILLIAMS) परा-
 मर्ष्टुम् zu lesen; so steht auch ÇĀK. Cu. 123, 3. st. परिमृज्यते Spr. 3433
 ist wohl परिमृज्यते zu lesen. Vgl. परिमार्हणं, परिमार्जं fig., परिमृज् figg.
 — intens. umherstreichen an: क्विर्वृष्टं परि मर्ज्यते धीः RV. 1, 93, 8.
 — प्र wischen, abwischen, reinigen: लुरम् KAUC. 53, 7. वाससाङ्गानि
 76. स्थालीम् ÇAT. Br. 3, 2, 2, 21. KĀTJ. 31, 10. KĀTJ. ÇR. 17, 3, 13. प्रमृष्ट
 (Gogens. सलेप) 7, 5, 17. 9, 4, 42. ÇĀNKH. GRHJ. 1, 7. स मे मुखं प्रमाहृत्ये
 PĀR. GRHJ. 2, 6. त्रिराचामेदपः पूर्वं द्विः प्रमृष्ट्यात्ततो मुखम् M. 2, 60 = 3, 139.
 प्रमृजेत् Suçr. 4, 370, 10. प्रमृज्य वदनं तस्याः पाणिनाश्रुसमाकुलम् MBH. 4,
 692. R. GORR. 2, 123, 11. 6, 21, 32. 101, 4. BHĀG. P. 6, 13, 9. Suçr. 2, 47, 7.
 प्रमार्जतीव गात्राणि मम MBH. 13, 722. जलज्जिह्वेन पाणिना — सुग्रीवस्य
 प्रभे नेत्रे प्रमार्ज R. 6, 21, 32. 5, 33, 14. MĀRK. 36, 15. RAGH. 11, 63. तद-
 ङ्गनिस्पन्दजलेन लोचने प्रमृज्य abwischend RAGH. 3, 41. प्रामृजन्वङ्गसंरु-
 तीः reinigen, putzen BHATT. 17, 55. R. GORR. 2, 83, 34. प्रमृष्टाकारभूमिक
 KATUĀS. 43, 64. प्रोक्षितानां प्रमृष्टानां राज्ञां पश्यतेर्गृहे । पशूनामिव MBH.
 2, 656. प्रमृष्टमणिकुण्डलाः blank gemacht MBH. 3, 2194. पार्श्वे प्रमृष्टे इव
 wie polirt, geglättet Spr. 1167. प्रमार्जमानः (so die ed. Bomb. und INDR.
 2, 24) शनैर्बाहू चास्यापतो streichen, hinfahren über MBH. 3, 1778. प्र-
 मृष्ट्याङ्गानि पाणिना 16849 (विमृज्य ed. Calc., प्रमृज्य SĀV. 3, 102). एनं
 प्रमार्जती वीजयती च मूर्च्छितम् R. GORR. 2, 61, 2. काञ्चनस्य च शैलस्य
 सूर्यस्येव मृत्तमनः । प्रमृष्टा तेजसा पूर्वा संध्या रक्ता प्रकाशते ॥ bestrichen
 4, 40, 62. लीलयात्पयं यथा गात्रात्प्रमृष्ट्यात् रजः पुमान् wegwischen, ab-
 streifen MBH. 12, 10037 = 11534. पाणिभिः — प्रमार्ज रजः पृष्ठाद्रामस्य
 R. 2, 104, 17. घनशल्यानि पाणिभिः प्रमार्जयेत् Suçr. 4, 100, 4. प्रमृज्य रु-
 धिर् करात् MBH. 14, 2165. प्रमृष्ट्याश्रुणि नेत्राभ्याम् (विमृज्य SĀV. 3, 96) 3,
 16843. HARIV. 7090. मातुः प्रमार्जाश्रु MBH. 3, 5452. प्रमृष्टाश्रु स्वकानाम्
 BHĀG. P. 3, 18, 12. अश्रूणि प्रमृज्य sich die Thränen abwischend MĀRK.

93, 23. RAGH. 14, 71. ÇĀK. 49, 20. 184. abwischen so v. a. entfernen, ver-
 scheuchen, wegschaffen: अत्रोक्षं मम मातुश्च प्रमार्ज R. 2, 106, 28. संप्राप्त-
 मवमानं यस्तेजसा न प्रमार्जति 6, 100, 6. तदा शुचस्ते प्रमृजामि BHĀG. P. 4,
 7, 16. प्रमृजे सुहृच्छुचः 18, 4. स्वभावो यो यस्य न स शक्यः प्रमार्जितुम् R.
 3, 56, 17. न शक्यते धैर्यगुणः प्रमार्ष्टुम् Spr. 391. आत्मारजः BHĀG. P. 6, 3, 33.
 ममाभीष्टं प्रमार्ष्टुम् so v. a. vereiteln RĀGA-TAR. 3, 48. प्रमार्ष्टि दुःखमालो-
 कम् BHATT. 18, 28. येन — अयशः प्रमृष्टम् abgewaschen RAGH. 6, 41. शर-
 त्प्रमृष्टाम्बुधरोपरोध verscheucht 44. 16, 52. प्रमृष्टवैरगाध (प्रमृष्टो die
 neuere Ausg.) so v. a. aufgegeben HARIV. 4382. वषट्कार मा मा प्रमृतो
 माहं वा प्रमृत्तम् wegschaffen, vertilgen AIT. Br. 3, 8. मन्युरेव प्रमृष्टे
 (प्रमृष्टो die neuere Ausg.) हि भवेत् HARIV. 7133. — Vgl. प्रमार्जक fig.
 — विप्र reinwischen: धनम् — सूक्ष्मैर्वस्त्रैर्विप्रमृज्य MBH. 7, 76.
 — संप्र dass.: मुद्राङ्कितं वतः — संप्रमार्ष्टुम् Spr. 1013. abwaschen in
 übertr. Bed.: आत्मनश्चापशो लोके पुण्यतसंप्रमार्जितम् R. 6, 103, 15.
 — प्रति glattstreichen ÇAT. Br. 1, 2, 5, 18. 2, 6, 4, 12. abwaschen in
 übertr. Bed.: धर्मणा प्रतिमार्जता R. 6, 100, 12. धर्मणा प्रतिमार्जिता 3.
 — वि 1) ausputzen, ausreiben, reinigen; reiben, streichen überh.:
 मुखं विमृष्टे ÇAT. Br. 3, 8, 5, 5. TBR. 1, 7, 1, 1. मुखं विमार्ष्टि KAUC. 6, 10, 19.
 46. ÇĀNKH. ÇR. 4, 11, 15. तां (पृथिवीं) विश्वकर्मा भूता व्यमार्ष्ट trockenrei-
 ben, abtrocknen TS. 7, 1, 5, 1. बाहू ÇAT. Br. 5, 3, 5, 28. KĀTJ. ÇR. 15, 3, 18.
 16, 2, 24. KAUC. 14. ऀव्य. ÇR. 6, 12. — चारुमुखं विमृज्य (विमृज्य MBH. 3,
 15682. विमृज्य ed. Bomb.) wischend DRAUP. 6, 17. विमृज्य नयने सान्ने R.
 3, 27, 6. अम्बुविन्दुभिर्विमृज्यमानाः reinigen BHĀG. P. 3, 13, 43. अविमृष्टे
 (= अनुस्वलं Schol.) वक्त्रम् gereinigt, blank, glänzend 4, 26, 25. विमृष्ट्या-
 ङ्गानि (प्रमृज्य ed. Calc. und SĀV. 3, 102) streichen, hinfahren über, strei-
 cheln MBH. 3, 16849. R. GORR. 2, 9, 6. abwischen, wegwischen: विमृष्ट्या-
 श्रूणि (प्रमृ MBH. 3, 16843) नेत्राभ्याम् SĀV. 3, 96. MĀRK. 98, 10. — 2)
 einreiben: आश्रुलेपेन चतुषो विमृजति ÇĀNKH. GRHJ. 1, 16. विमार्जति
 LĀTJ. 2, 10, 11. ÇĀNKH. ÇR. 8, 4, 7. KAUC. 23. किञ्चिन्मधूच्छिष्टविमृष्टराग
 (अधरोष्ठ) bestrichen (purgatus St.) KUMĀRAS. 7, 18.
 — अनुवि einreiben: अभिषेकं कृजविषाणापानुविमृष्टे ÇAT. Br. 5, 4, 2,
 4. 5. आश्रुलेपेनाङ्गान्यनुविमृज्य ÇĀNKH. GRHJ. 1, 21. KAUSH. UP. 2, 3, 4.
 — अभिवि dass.: ब्रीहियवेः शकृत्पिण्डमभिविमृज्य KAUC. 69.
 — सम् reiben, putzen, reinigen; zubereiten; von der Behandlung des
 Soma RV. 9, 64, 23. मृजति वा सम्पुवः 66, 9, 96, 2. सम्पु प्रियो मृज्यते सा-
 नो अद्यै 97, 3. von der Behandlung des Feuers durch Anschüren, Ent-
 fernen der Asche u. s. w.: सं सानु मार्ज्म दिधिषामि वित्तमैः 2, 33, 12.
 VS. 2, 7. अग्रिमग्रोत्संमृष्टि ÇAT. Br. 1, 4, 4, 13. 2, 3, 2, 30. असंमृष्टे भवति das
 संमार्जन ist noch nicht gemacht 19. KĀTJ. ÇR. 5, 3, 6. 8, 2, 30. TBR. 3, 3, 2,
 3. सं मातुर्भिर्मर्जयसि स्व आ दमै RV. 9, 111, 2. भोजायाश्च सं मृजित्याश्रुम्
 10, 107, 10. — VS. 1, 29. लुचः abwaschen ÇAT. Br. 1, 3, 4, 1. figg. 2, 5, 21.
 KĀTJ. ÇR. 4, 10, 5. 14, 7. वेदेन वेदिं संमार्ष्टि fegen KĀTJ. 32, 6. पवित्रेण
 द्रोणकलशम् LĀTJ. 1, 10, 17. 18. 12, 21. द्वारबाहू 2, 3, 9. परिधीन् TS. 2, 3,
 11, 3. TBR. 3, 3, 4, 2. संमार्जतां वेष्टम् MBH. 2, 2186. संमार्जनं जठरोपविम्
 3, 11933. कुरिसन्ननि — संमार्जतीव BHĀG. P. 3, 13, 21. संमार्ज्य MĀRK. 136,
 5. चीवरं संमार्जयति Vop. 21, 17. (स्थानम्) सिक्तसंमृष्टशोभितम् (so die ed.
 Bomb.) MBH. 5, 7524. सिक्तसंमृष्टरथ्या (नगरी) R. GORR. 2, 4, 18. BHATT.
 5, 90. असंमृष्टामलाम्बर Spr. 3331. संमार्जित (उद्यान) MBH. 1, 5004. सं-